Roll No :- 39
Class No :- 7 Question No :- 1

➢➢ *ब्रह्मापुरी*

➻ _ ➻ स्वयं के *सम्पूरण फ़रिश्ता स्वरुप* का अनुभव करना

➢➢ *विष्णुपुरी*

➻ _ ➻ स्वयं के *चतुर्भुज स्वरुप* का अनुभव करना

➻ _ ➻ अपने *भविष्य स्वरुप* का अनुभव करना

➻ _ ➻ सम्पूरण *पवित्र स्वरुप* का अनुभव करना

➻ _ ➻ *पुरुष और स्त्री के भान से ऊपर उठना*

➢➢ *शंकरपुरी*

➻ _ ➻ स्वयं के *त्यागमूरत, तपस्वीमूरत* स्वरुप का अनुभव करना

➻ _ ➻ स्वयं के *वैरागी* स्वरुप का अनुभव करना

➢➢ *Time (Drama) Is Not Linear But Circular*

➢➢ *Experince Is Internal And Knowledge Of Drama Is External*

➻ _ ➻ स्वयं को ड्रामा की ऐसी बातों में न ऊल्झायें जिसका अनुभवों से कोई लेना देना न हो

➻ _ ➻ कुछ बातों को *ignore* करना भी हमें आना चाहिए... *Let It Go* करना सीखना चाहिए*

➻ _ ➻ External Knowledge से कहीं ज्यादा महत्वपूरण है:- Internal Experiences...

➢➢ अपना *Belief System* ऐसा बनाइये की :-

➻ _ ➻ *ड्रामा में यह फिक्स है की “आप जिस चीज़ को प्राप्त करने के लिए खूब पुरुषार्थ करेंगे... वह आपको प्राप्त होगा”*